Accreditated by NAAC-A

जैन विश्वभारती संस्थान

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय)

लाडनूं–341 306 (राज.)

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

पंजीयन संख्या..... दिनांक 09.02.2015

स्वरचित बाल कहानी लेखन प्रतियोगिता–2015

प्रिय विद्यार्थियों,

आप संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के सत्र 2014–15 के सम्मानित विद्यार्थी हैं। आप अपनी–अपनी कक्षा एवं विषय के अनुसार भेजी गयी पाठ्यसामग्री का अध्ययन मनोयोगपूर्वक कर रहे होंगे और भेजे गये सत्रीय कार्यों को भी हलकर भेज रहे होंगे। सत्रीय कार्य के हल भेजने आवश्यक हैं।

आप दूर रहकर भी हमारे निकट हैं। जिस प्रकार नियमित (रेगुलर) अध्ययन करने वाले विद्यार्थी अध्ययन के साथ–साथ सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक गतिविधियों से जुड़े रहते हैं उसी प्रकार आप जैसे पत्राचार के विद्यार्थियों को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने हेतु निदेशालय द्वारा एक **स्वरचित बाल काहनी लेखन प्रतियोगिता–2015** का आयोजन किया जा रहा है। उपर्युक्त विषय में आपको अधिकतम 3000 शब्दों में एक बाल कहानी लिखनी है। बाल कहानी फुलस्केप कागज पर एक तरफ हासिया छोड़कर सुपाठ्य लिपि में लिखा होना चाहिए। बाल कहानी के अन्त में पंजीयन संख्या, कक्षा सहित पूरा पता दूरभाष सहित लिखा होना चाहिए। हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में स्वरचित बाल कहानी ही स्वीकार किया जायेगा। बाल कहानी **30 जून, 2015** तक **निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं–341306 (राज.)** कार्यालय को प्राप्त हो जाने चाहिए। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 2100/–, द्वितीय पुरस्कार 1500/–, तृतीय पुरस्कार 1100/– तथा दो प्रोत्साहन पुरस्कार पांच सौ–पांच सौ के होंगे। पुरस्कार संस्थान में आयोजित किसी समारोह में दिये जायेंगे, जिसकी सूचना यथासमय दी जायेगी।

अतः उपर्युक्त जानकारी के अनुसार बाल कहानी लिखकर 30 जून,, 2015 तक अवश्य भेजें। हस्तलिखित स्वरचित बाल कहानी ही स्वीकार किये जायेगें। टंकित या कम्प्यूटराइज्ड प्रति स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रतियोगिता में इस सत्र (2014–15) के पत्राचार के सभी विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। **अत्यावश्वयक सूचना**–ध्यान रहे वार्षिक परीक्षा के एडमिट कार्ड (Admit Card) डाक से नहीं भेजे जाते हैं। विद्यार्थी जून मास के अन्तिम सप्ताह में संस्थान के बेवसाइट से इसे डाउनलोड कर सकेंगे। परीक्षा प्रायः जुलाई के लगभग मध्य से शुरू होती है। पत्र व्यवहार में पंजीयन संख्या का उल्लेख अवश्य करें।

(प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी)
निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय